

डॉ. नायुडम्मा यार्लागड्डा

Dr. Nayudamma Yarlagadda



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. नायुडम्मा यार्लागड्डा

डॉ. नायुडम्मा यार्लागड्डा आंध्र प्रदेश के एक जाने–माने कंसल्टेंट पेडिएट्रिक सर्जन हैं।

2. आपका जन्म 01 जून, 1947 को कर्मचेदू प्रकाशम जिला, आंध्र प्रदेश में हुआ। आपने वर्ष, में गुंटूर मेडिकल कॉलेज, गुंटूर, आंध्र प्रदेश से एम बी बी एस की डिग्री ली, वर्ष में रोहतक मेडिकल कॉलेज, रोहतक, हरियाणा से एम एस की डिग्री ली तथा वर्ष में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली से बाल चिकित्सा शल्यक्रिया में विशेषज्ञता– एम.सीएच. हासिल की। आपने अपने मूल संस्थान, गुंटूर कॉलेज में बाल चिकित्सा शल्यक्रिया विषय में शिक्षण तथा प्रैक्टिस का कार्य आरंभ किया और वर्ष में सेवानिवृत्ति तक उसी संस्थान से जुड़े रहे। आपने अब तक बच्चों में शल्यक्रिया संबंधी समस्याओं के उपचार के माध्यम से समाज की सेवा जारी रखी है।

3. आप राष्ट्रीय मीडिया में तब प्रमुख रूप से चर्चा में रहे जब आपने ऐसे एक साथ जुड़े जुड़वा बच्चों के तीन सेट्स को सफलतापूर्वक अलग किया जो शरीर के तीन विभिन्न भागों में एक–दूसरे से जुड़े हुए थे। ऐसा करने वाले आप देश में और शायद विश्व में एकमात्र सर्जन हैं। आपने एक साथ जुड़े जुड़वा बच्चों के कई और सेट्स का भी अध्ययन किया। आपने अनडिसेंडेड टेस्टिस, हाइड्रोसेफेलस, सेबड्यूरल हाइग्रोमा, इलेक्ट्रिक बर्न इन चिल्ड्रेन एंड काउजेंशन, कई और आम तथा दुर्लभ जन्मजात विकृत स्वरूपों के मूल्यांकन और शल्यक्रिया प्रबंधन से संबंधित अध्ययन करने में अग्रणी रहे। आपने पिछले से अधिक वर्षों से हजारों बीमार बच्चों की सेवा करके और उनकी जिंदगी बचाकर समकालिक समाज को भरपूर लाभ प्रदान किया। आप कई प्रतिष्ठित व्यावसायिक निकायों यथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेडिएट्रिक सर्जन्स तथा इंडियन एकेडमी ऑफ पेडिएट्रिक के आजीवन सदस्य हैं।

4. आपको कई पुरस्कार जैसे कि वर्ष में आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश द्वारा ऑनरेरी डॉ. ऑफ साइंस डी एससी वर्ष में थुमला रामब्रह्मण रिसर्च एवार्ड जी एम सी ए एन ए वुलकी मेमोरियल गोल्ड मेडल ओरेसन अवार्ड रेमिनैनी फाउंडेशन–यू एस ए विशिष्ट पुरस्कारम, वर्ल्ड तेलगु फेडरेशन अवार्ड सिद्धार्थ कलापीठम विशिष्ट व्यक्ति अवार्ड तथा रोटरी वोकेशनल एक्सिलेंस अवार्ड। आपको कई मेमोरियल ओरेशन व्याख्यान देने के लिए भी चुना गया यथा डॉ. बी.एस. राव मेमोरियल ओरेशन डॉ. ई एन बी शर्मा मेमोरियल ओरेशन डॉ. बी धर्मराव ओरेशन। आपको बैंगलोर में भारतीय उद्योग महासंघ (सी आई आई) के वें क्वालिटी समिट में ''गवर्नमेंट हास्पिटल आर लाइक टेम्पल्स'' विषय पर अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

Dr. Nayudamma Yarlagadda

Dr. Nayudamma Yarlagadda is a renowned consultant Paediatric Surgeon from Andhra Pradesh.

2. Born on 1st June 1947 at Karamchedu, Prakasam District, A.P, Dr. Yarlagadda did M.B.B.S. in 1970 from Guntur Medical College, Guntur, A.P., M.S. in 1974 from Rohtak Medical College, Rohtak, Haryana and specialized in Paediatric Surgery – M.Ch. from All India Institute of Medical Sciences, New Delhi in 1977.He started teaching and practicing Paediatric Surgery at his parent institution, Guntur Medical College in 1978 and was associated with the same institution till superannuation in 2005. He continues to serve the society by treating surgical problems in children till date.

3. Dr. Yarlagadda hit the headlines in National media when he successfully separated three sets of Conjoined twins fused at three different areas of the body, the only surgeon to do so in the country, may be in the world. Few more sets of conjoined twins were also studied by him. He pioneered in the conduct of studies regarding Undescended Testis, Hydrocephalus, Subdural Hygroma, Electrical burns in children and Causation, Evaluation and Surgical Management of many more common and rare congenital malformations. He conferred splendid benefits on contemporary society by serving and saving lives of thousands of sick children for over 37 years. He is a life member of many prestigious professional bodies like Indian Medical Association, Association of Surgeons of India, Indian Association of Paediatric Surgeons and Indian Academy of Paediatrics.

4. Dr. Yarlagadda is the recipient of many awards like Honorary Doctor of Science-D.Sc. by Acharya Nagarjuna Unive3rsity, A.P. in 2008, Thummala Ramabrahmam Research Award-GMCANA in 2000, Vulakki Memorial Gold Medal Oration Award 2003, Ramineni Foundation-USA Visishta Puraskaram 2004, World Telugu Federation Award 2005, Siddhartha Kalapeetham Visishta Vyakthi Award 2005 and Rotary Vocational Excellence Award 2006. He was also selected to deliver many Memorial Oration lectures like Dr. B.S. Rao Memorial Oration 2004, Dr. ENB Sarma Memorial Oration 2004, Dr. B. Dharma Rao Oration 2005 and Guest Lecture on "Government Hospitals are like Temples" at 13th Quality Summit 2005 of Confederation of Indian Industry at Bangalore.